J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 28.05.2020

PUNJAB KESARI

स्पेक्ट्रोस्कोपिक व विश्लेषणात्मक तकनीक पर 5 दिवसीय कार्यक्रम शुरू

उन्नत तकनीकी ज्ञान द्वारा शिक्षक अनुसंधान को बढ़ावा दें : कुलपति प्रो. दिनेश कुमार

फरीदाबाद, 27 मई (पूजा शर्मा): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कैमिस्ट्री विभाग द्वारा 'स्पेक्ट्रोस्कोपिक और विश्लेषणात्मक तकनीक: अनुप्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम को गुरु अंगद देव शिक्षण अध्ययन केंद्र, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों लगभग 200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से प्रो. नागेश ठाकुर, (सदस्य यूजीसी) तथा डॉ ओम प्रकाश विशिष्ट अतिथि रहे और पीडीएम विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति प्रो. ए.के ब शी उद्घाटन सत्र में मु य वक्ता रहे। इस अवसर पर कैमिस्ट्री विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्पेक्ट्रोस्कोपी की विभिन्न अन्वेषण विधियों तथा इसकी प्रगति से प्रतिभागियों को परिचित करवाना है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने संकाय सदस्यों के ज्ञानवर्धन के लिए कार्यक्रम आयोजित करने पर विभाग के प्रयासों की सराहना की तथा प्रतिभागियों को उन्नत अन्वेषण विधियों की जानकारी हासिल करने तथा इससे जुड़े अनुसंधान में रूचि लेने के लिए प्रेरित किया। प्रो. नागेश ठाकुर ने स्पेक्ट्रोस्कोपी की विभिन्न अन्वेषण विधियों से परिचित करवाया।

पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम के दौरान मौजूद शिक्षाविद। (छाया:एस शर्मा)

प्रो. ओम प्रकाश ने स्पेक्ट्रोस्कोपी के महत्व पर प्रकाश डला। कार्यक्रम के मु य वक्ता प्रो. ए.के ब शी ने प्रतिभागियों को स्पेक्ट्रोस्कोपी के प्रमुख सिद्धांतों से अवगत करवाया। उन्होंने कोरोना संकट के दौरान आनलाइन माध्यमों द्वारा शिक्षा प्रणाली में शिक्षकों की भूमिका तथा प्रौद्योगिकी के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अन्य सत्रों को एमडीयू रोहतक से प्रो. एस.पी. खटकर, आईआईटी दिल्ली से प्रो. शशांक तथा आईआईटी कानपुर से प्रो. पी.सी. मंडल ने संबोधित किया तथा स्पेक्ट्रोस्कोपी तथा पोलरोग्राफी की उपयोगिता एवं अनुसंधान पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का आयोजन एवं संयोजन डॉ. विनोद कुमार, डॉ. बिन्दू मंगला, डॉ. सीताराम तथा डॉ. अनुराग की देखरेख में किया जा रहा हैं।

NEWS CLIPPING: 28.05.2020

THE PIONEER

स्पेक्ट्रोस्कोपिक व विश्लेषणात्मक तकनीक पर कार्यक्रम आरंभ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैमिस्ट्री विभाग द्वारा 'स्पेक्ट्रोस्कोपिक और विश्लेषणात्मक तकनीक: अनुप्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को गुरु अंगद देव शिक्षण अध्ययन केंद्र, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों लगभग 200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।

कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से प्रो. नागेश ठाकुर, (सदस्य यूजीसी) तथा डॉ ओम प्रकाश विशिष्ट अतिथि रहे और पीडीएम विश्वविद्यालय दिल्ली के

उन्नत तकनीकी ज्ञान द्वारा शिक्षक अनुसंधान को बढ़ावा दें: कुलपति प्रो. दिनेश कुमार

कुलपति प्रो. एके बख्शी उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता रहे।

इस अवसर पर कैमिस्ट्री विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्पेक्ट्रोस्कोपी की विभिन्न अन्वेषण विधियों तथा इसकी प्रगति से प्रतिभागियों को परिचित करवाना है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने संकाय सदस्यों के ज्ञानवर्धन के लिए कार्यक्रम आयोजित करने पर विभाग के प्रयासों की सराहना की तथा प्रतिभागियों को उन्नत अन्वेषण विधियों की जानकारी हासिल करने तथा इससे जुड़े अनुसंधान में रूचि लेने के लिए प्रेरित किया।

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 28.05.2020

HINDUSTAN

स्पेक्ट्रोस्कॉपी पर कार्यशाला हुई

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के कैमिस्ट्री विभाग की ओर से स्पेक्ट्रोस्कोपिक और विश्लेषणात्मक तकनीकः अनुप्रयोग विषय पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन हुआ। गुरु अंगद देव शिक्षण अध्ययन केंद्र, दिल्ली के साथ मिलकर आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों करीब 200 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे।

कार्यक्रम का उद्घाटन बुधवार को कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से प्रो. नागेश ठाकुर और डॉ. ओमप्रकाश विशिष्ट अतिथि थे। पीडीएम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके बख्शी बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए।कैमिस्ट्री विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्पेक्ट्रोस्कोपी की विभिन्न अन्वेषण की विधियां बताईं।

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 28.05.2020

NAVBHARAT TIMES

यूनिवर्सिटी में केमिस्ट्री पर हुई वर्कशॉप

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: जेसी बोस यूनिवर्सिटी के केमिस्ट्री विभाग की तरफ से 'स्पेक्ट्रोस्कोपिक व विश्लेषणात्मक तकनीकः अनुप्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय फैकल्टी डिवेलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को गुरु अंगद देव शिक्षण अध्ययन केंद्र के सहयोग से किया जा रहा है, जिसमें देश की अलग-अलग यूनिवर्सिटीज के लगभग 200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। कार्यक्रम का शुभारंभ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने किया। पहले सत्र में हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी से प्रोफेसर नागेश ठाकुर व डॉ. ओम प्रकाश विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद रहे। पीडीएम यूनिवर्सिटी दिल्ली के कुलपति प्रोफेसर ए. के. बख्शी उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को स्पेक्ट्रोस्कोपी के प्रमुख सिद्धांतों से अवगत करवाया।

NEWS CLIPPING: 28.05.2020

DAINIK BHASKAR

उन्नत तकनीकी ज्ञान से शिक्षक अनुसंधान को बढ़ावा दें: प्रो. दिनेश

फरीदाबाद| जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विभाग ने 'स्पेक्ट्रोस्कोपिक और विश्लेषणात्मक तकनीक अनुप्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के प्रो. नागेश ठाकुर व डा. ओम प्रकाश विशिष्ट अतिथि थे। जबकि पीडीएम विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति प्रो. एके बख्शी मुख्य वक्ता रहे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने प्रतिभागियों को उन्नत अन्वेषण विधियों की जानकारी हासिल करने तथा इससे जुड़े अनुसंधान में रुचि लेने के लिए प्रेरित किया।